MT - 114

Seat No. | | | | | | | |

2013 1100

MT - 114 - HINDI (ENTIRE) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (H) - PRELIM - I - PAPER - VI

Time : 3 Hours **(Pages 6)** **Max. Marks : 80**

प्रश्न 1. अ) निम्नलिखित विधान के साथ दिए गए विकल्पों में से पठित गद्यपाठों के आधार पर सही विकल्प जोड़कर प्रत्येक विधान पूर्ण वाक्य में लिखिए : **2**

1) गांधीजी ने समय की पाबंदी ऐसे सिखलाई ----------
   (अ) जिसे भूल नहीं सकते ।
   (ब) जिसे अनेक नहीं सिखा सकते हैं ।
   (क) जैसे अपना संदेश हृदय पर दाग दिया ।

2) प्रीति के अनुसार असफलताएँ हमें ----------
   (अ) तंग करने के लिए हैं ।
   (ब) कमजोर बनाती हैं ।
   (क) उठाने के लिए हैं ।

आ) निम्नलिखित वाक्यों के रिक्त स्थानों की पूर्ति पठित गद्यपाठों में प्रयुक्त शब्दों से कीजिए । पूर्ण वाक्य लिखकर प्रयुक्त शब्द अधोरेखांकित कीजिए : **3**

1) सारा बल लगाकर ..... उसने बिल्ली पर पटक दिया ।
2) इतना उसका नाद ..... में भी मन में घूमता रहता है ।
3) पर आज उसके चेहरे पर ..... के भाव थे ।

इ) निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं तीन</u> प्रश्नों के उत्तर पठित गद्यपाठों के आधार पर केवल <u>एक - एक वाक्य</u> में लिखिए : **3**

1) संन्यासी के गाने में कैसी मधुरता थी ?
2) चतुर वैद्य कभी - कभी चिकित्सा के लिए किसकी सहायता लेता है ?
3) पलाश के फूल को किसने राज्यपुष्प के रूप में स्वीकार किया है ?
4) कसाई ने भेड़ किससे मोल ली थी ?
5) मेम साहब ने विनायक बाबू से किस अंदाज में काम का ब्योरा लिया ?

ई) **निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किसी एक</u> वाक्य को किसने किस संदर्भ में कहा है ? पठित गद्यपाठों के आधारपर लिखिए :** **2**

1) ''मैं पैसे देता हूँ । ला सकते हो ?''
2) ''आप निश्चिंत रहें, सर-सब इंतजाम हो जाएगा ।''

उ) **निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं तीन</u> प्रश्नों के उत्तर पठित गद्यपाठों के आधार पर संक्षेप (60 -70 शब्दों) में लिखिए :** **9**

1) संन्यासी की कुटी के आसपास का वातावरण कैसा था ?
2) विश्वामित्र 'मेरी वाणी में अमृत हो' ऐसी प्रार्थना क्यों करते हैं ?
3) मैनेजर ने कूर्मांचल की कौन-सी करुण लोककथा लोगों को सुनाई ?
4) महंत गोवर्धनदास की जान बचाने में सफल कैसे हो गए ?
5) कामयाबी का असली मतलब समझ में आने पर प्रीति मोंगा को लगा मानो ज़िंदगी की डोर हाथ में आ गई - पाठ के आधार पर समझाइए ।

ऊ) **निम्नलिखित पठित गद्यांश पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर <u>एक - एक वाक्य</u> में लिखिए :** **3**

यह पर्णपाती वृक्ष है । अर्थात वर्ष में एक बार इसके सभी पत्ते गिर जाते हैं और यह पर्णविहीन हो जाता है । सामान्यतया सर्दियों के मौसम में इसके पत्ते गिरते हैं और गर्मियों के मौसम में फूलों के समाप्त होते - होते नए पत्ते निकलने आरंभ हो जाते हैं । पलाश का वृक्ष जब एक छोटी झाड़ी के रूप में होता है, तभी इसमें बड़े - बड़े पत्ते निकलने लगते हैं । सामान्यतया यह देखा गया है कि जहाँ फूल निकलते हैं, वहाँ पत्ते नहीं निकलते और जहाँ पत्ते निकलते हैं, वहाँ फूल नहीं निकलते ।

1) पलाश को 'पर्णपाती वृक्ष' क्यों कहा जाता है ?
2) सर्दी और गर्मी में पलाश की क्या स्थिति रहती है ?
3) परिच्छेद में पलाश की कौन - सी खासियत सूचित हुई है ?

प्रश्न 2. क) निम्नलिखित पद्यपंक्तियों के रिक्त स्थानों की पूर्ति पठित पद्यपाठों में प्रयुक्त शब्दों से कीजिए : **3**

1) क्षण में वह ..... मिट जाएगा, तेरे पंखों से पिसकर ।
2) जीवन ..... प्रथम प्रधान हो ।
3) यह किसी की व्यक्तिगत ..... है ।

ख) **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पठित पद्यपाठों के आधार पर केवल <u>एक - एक वाक्य</u> में लिखिए :** **3**

1) माता यशोदा कृष्ण को मनाने के लिए क्या ला देने की बात कहती हैं ?
2) जीवन रूपी झरने के दोनों तीर कौन - कौन - से हैं ?
3) मेघ को किसने जुहार किया ?

ग) निम्नलिखित पठित पद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर एक - एक वाक्य में लिखिए : **3**

पेड़ झुक झाँकने लगे गरदन उचकाए,
आँधी चली, धूल भागी घाघर उठाए,
बाँकी चितवन उठा, नदी ठिठकी, घूँघट सरके ।
मेघ आए बड़े बन - ठन के सँवर के ।

(1) मेघों के आने पर कौन चली, कौन भागी ?
(2) 'बाँकी चितवन' का क्या अर्थ है ?
(3) बन - ठनकर कौन आया ?

घ) निम्नलिखित पठित पद्यखंड का सरल गद्यार्थ लिखिए : **3**

दान दिए धन ना घटे, नदी न घटे नीर ।
अपनी आँखों देख लो, यों क्या कहे कबीर ।।

ड़) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर पठित पद्यपाठों के आधार पर संक्षेप में लिखिए : **6**

1) चंद्रमा का खिलौना न मिलने पर कृष्ण अपनी माँ यशोदा से क्या कहते हैं ?
2) जीवन और निर्झर की समानता को कवि ने कैसे स्पष्ट किया है ?
3) कविता में अतिथि के आगमन पर जिन रीति - रिवाजों का चित्रण है, उसका सरल हिंदी में वर्णन कीजिए ?

प्रश्न 3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर पठित पूरक पाठों के आधार पर 70 - 80 शब्दों में लिखिए : **8**

1) लक्खी सराय के बालिका विद्यापीठ की क्या जानकारी दी गई है ?
2) ईसाई धर्म में तुलसी का क्या महत्त्व है ?
3) थिंफू का राज्य संचालन कैसे किया जाता है ?
4) समाजसेवक ईश्वरचंद्र विद्यासागर की महानता किस प्रसंग से दृष्टिगोचर होती है ?

अथवा

निम्नलिखित पठित पूरक पाठों में से किसी एक का सार लिखिए :

1) अपनी - अपनी बीमारी
2) थिंफू - भूटान की वर्तमान राजधानी

प्रश्न 4. च) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द का स्वतंत्र एवं अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए : **1**

1) तरफ 2) वाह !

छ) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य में अधोरेखांकित शब्द का शब्दभेद लिखिए : **1**

1) बरसात अचानक रूक गई ।
2) वे सच्चे संन्यासी हैं ।

ज) निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किसी एक</u> वाक्य का कोष्ठक में दी गई सूचना के अनुसार काल - परिवर्तन कीजिए : 1

1) वह हिमालय को खोज रहा है । (पूर्ण वर्तमानकाल)

2) इतने लोग छत पाते हैं । (अपूर्ण भूतकाल)

झ) निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किसी एक</u> वाक्य में प्रयुक्त सहायक क्रिया पहचानकर लिखिए : 1

1) दूध का भाव बढ़ गया ।

2) दोनों ने बातचीत का सिलसिला आगे बढ़ा दिया ।

अथवा

निम्नलिखित क्रियाओं में से <u>किसी एक</u> क्रिया का सहायक क्रिया के रूप में अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए ।

1) चाहना 2) देना

ट) निम्नलिखित क्रियाओं में से <u>किसी एक</u> क्रिया के प्रथम तथा द्वितीय प्रेरणार्थक क्रियारूप लिखिए : 1

1) देखना 2) बोलना

अथवा

निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किसी एक</u> वाक्य में प्रयुक्त प्रेरणार्थक क्रियारूप छाँटकर उसका प्रकार लिखिए :

1) शिक्षिका ने मोहन से कक्षा को कविता सुनवाई ।

2) दादीजी ने केशव को पहाड़ पर चढ़ाया ।

ठ) निम्नलिखित अशुद्ध वाक्यों में से <u>किन्हीं दो</u> वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए : 3

1) मैं काकरोच को डरती है ।

2) एक बार मेरे नाक में मक्खी घुस गया ।

3) मैनेजर से हिदायत दिया गया ।

अथवा

निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किन्हीं दो</u> वाक्यों के लिए योग्य विरामचिह्नों का प्रयोग करके वाक्य फिर से लिखिए :

1) वे बोले यह तो आनंद का प्रश्न है

2) इसीलिए इसे फ्लेम ऑफ द फायर कहा जाता है ।

3) क्यों रे कसाई तूने ऐसी मशक क्यों बनाई

(ड) **निम्नलिखित मुहावरों में से <u>किन्हीं तीन</u> मुहावरों के हिंदी में अर्थ देकर उनका अर्थपूर्ण एवं स्वतंत्र वाक्यों में प्रयोग कीजिए :** **3**

1) मोल लेना ।
2) कान में डालना ।
3) कानों में गूँजना ।
4) डोर हाथ में आना ।
5) दहाड़े मारकर रो पड़ना ।

अथवा

निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किन्हीं तीन</u> वाक्यों में अधोरेखांकित वाक्यांशों के बदले कोष्टक में दिए गए मुहावरों में से योग्य मुहावरे का प्रयोग करके शुद्ध वाक्य फिर से लिखिए :

(मृत्यु के मुँह में कूदना, माथे पर बल पड़ना, दहाड़े मारकर रो पड़ना, हामी भरना, पैरों में पंख लगना)

1) खूँखार अपराधी के पकड़े न जाने पर पुलिस कमिश्नर चिंतित हो गए ।
2) संकट में पड़े मित्र को सहायता देना मैंने स्वीकार कर लिया ।
3) इनाम लेने जाते हुए रमेश के पाँव जमीन पर नहीं पड़ रहे थे ।
4) माँ की मृत्यु की खबर सुनकर पुत्र जोर - जोर से रोने लगा ।
5) जलते हुए मकान से बच्चे को निकालने जाना अपनी जान के लिए खतरा मोल लेना था ।

प्रश्न 5. निम्नलिखित विषयों में से <u>किसी एक</u> विषय पर लगभग 150- 200 शब्दों तक निबंध लिखिए : **10**

1) घायल सैनिक की आत्मकथा ।
2) विज्ञान : वरदान या अभिशाप ।
3) यदि समाचार पत्र न होते..... ।
4) मेरा प्रिय नेता ।

प्रश्न 6. (त) **निम्नलिखित कार्यालयीन तथा व्यावसायिक पत्रों में से <u>किसी एक</u> पत्र का लिफाफे सहित प्रारूप (नमूना) तैयार कीजिए :** **4**

1) संतोष / संगीता तिवारी, लक्ष्मीनगर, अमरावती से व्यवस्थापक शीतल बुक डिपो, मंगलवार पेठ, पूना - 411030 के नाम पत्र लिखकर मँगवाई गई पुस्तकों की कम प्रतियाँ और तीन फटी पुस्तकें प्राप्त होने के बारे में शिकायत करता / करती है ।
2) रमेश / रमा पांडे, इंद्रानगर, फिरोजपुर से व्यवस्थापक, सोनिया औषधि भंडार, राजीव चौक, जालंधर को घरेलू औषधियाँ वी.पी.पी. द्वारा मँगवाते हुए पत्र लिखता / लिखती है ।

अथवा

निम्नलिखित विज्ञापन का प्रारूप (नमूना) तैयार कीजिए ।

बाजार में बेचने के लिए 'केक' का प्रचार करना है ।

(थ) **निम्नलिखित रूपरेखा के आधार पर कहानी लिखिए । यह भी दर्शाइए कि उससे क्या सीख मिलती है ।** **4**

रूपरेखा : एक भिखारी – दीनहीन – लक्ष्मी माँ से प्रार्थना – लक्ष्मी प्रसन्न – वरदान – मुहरों की माँग – लालच – देवी की शर्त 'मुहरें जमीन पर गिरने पर उनकी मिट्टी होगी ।' – भिखारी की फटी-पुरानी झोली – झोली फैलाना – लक्ष्मी माँ का मुहरें देना – लालच बढ़ना – झोली का भर जाना और फटना – मुहरों का बिखरना – सीख ।

(द) **निम्नलिखित अपठित गद्यखंड पर आकलन हेतु ऐसे <u>चार प्रश्न</u> तैयार कीजिए, जिनके उत्तर <u>एक - एक वाक्य</u> में हो :** **4**

बातचीत में निपुण होने के लिए सबसे पहला उपाय यह है कि अपना सामान्य ज्ञान बढ़ाइए, अपना शब्दज्ञान बढ़ाइए तथा अधिकतर लोगों के बीच ही रहिए । एकांतप्रिय व्यक्ति कभी इस कला को नहीं सीख सकता। एक अन्य गुण जो कि इस कला के लिए अनिवार्य है, वह यह है कि आप अपने में सहनशक्ति उत्पन्न करें। दूसरों की बातों को यदि आप रुचिपूर्वक नहीं सुनेंगे तो आपकी बात कौन सुनेगा । सबसे बड़ी खूबी यह पैदा कीजिए कि अपने सामने वाले को कभी काटिए मत, उसकी किसी भावना को जान - बूझकर ठेस पहुँचाने की कोशिश मत करें । यदि उसकी किसी बात का प्रतिवाद करना बातचीत के लिए जरूरी भी हो जाए, तो पहले उससे सहमत हो जाएँ और फिर अपना मत कुछ इस ढंग से प्रस्तुत करें कि वह आपसे असहमत होते हुए भी सहमत होने को तैयार हो जाए । अत : यह बात गाँठ बाँध लें कि आपका चाहे जो भी क्षेत्र ; उसमें सफल होने के लिए आपको बातचीत की कला सीखनी ही होगी ?

Best Of Luck 👍

MT-114

2013 1100

MT - 114 - HINDI (ENTIRE) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (H) - PRELIM - I - PAPER - VI

Time : 3 Hours **Preliminary Model Answer Paper** **Max. Marks : 80**

उ.1.	**अ) निम्नलिखित विधान के साथ दिए गए विकल्पों में से पठित गद्यपाठों के आधार पर सही विकल्प जोड़कर प्रत्येक विधान पूर्ण वाक्य में लिखिए :**	
1)	गांधीजी नहाने की तैयारी में **बरामदे में आए ।**	**1**
2)	प्रीति के अनुसार असफलताएँ हमें **उठाने के लिए हैं ।**	**1**
	आ) निम्नलिखित वाक्यों के रिक्त स्थानों की पूर्ति पठित गद्यपाठों में प्रयुक्त शब्दों से कीजिए । पूर्ण वाक्य लिखकर प्रयुक्त शब्द अधोरेखांकित कीजिए :	
1)	सारा बल लगाकर पाटा उसने बिल्ली पर पटक दिया ।	**1**
2)	इतना उसका नाद नींद में भी मन में घूमता रहता है ।	**1**
3)	पर आज उसके चेहरे पर जिज्ञासा के भाव थे ।	**1**
	इ) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर पठित गद्यपाठों के आधार पर केवल एक - एक वाक्य में लिखिए :	
1)	संन्यासी के गाने में कोयल की कूक जैसी मधुरता थी ।	**1**
2)	चतुर वैद्य कभी - कभी चिकित्सा के लिए विष की सहायता लेता है ।	**1**
3)	पलाश के फूल को झारखंड ने राज्यपुष्प के रूप में स्वीकार किया है ।	**1**
4)	कसाई ने गड़रिए से भेड़ मोल ली थी ।	**1**
5)	मेम साहब ने विनायक बाबू से घर के नौकरों से बात करने वाले अंदाज में काम का ब्योरा लिया ।	**1**
	ई) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य को किसने किस संदर्भ में कहा है ? पठित गद्यपाठों के आधारपर लिखिए :	
1)	रिश्वतखोर फूड इन्स्पेक्टर द्वारा पहली बार ईमानदारी से ड्यूटी करने पर उसका ही स्थानांतरण (ट्रांसफर) कर दिया गया । इससे व्यथित होकर उसने आत्महत्या करने की ठान ली । वह अपनी सारी व्यथा लेखक 'अजातशत्रु' से कहता है और आत्महत्या करने के लिए उसी से 'टिक ट्वेंटी' माँगता है। लेखक द्वारा मना करने पर वह कहता है, ''मैं पैसे देता हूँ । ला सकते हो ?''	**2**
2)	होटल गोल्डन गेट के मैनेजर को कलेक्टर के पी.ए. द्वारा टेलीफोन पर मुख्यमंत्री जी के लंच का मेनू लिखवाया गया । जिसमें मक्के की रोटी और सरसों के साग को अनिवार्य रूप से शामिल	**2**

किया गया था परंतु होटल में इस व्यंजन की व्यवस्था उपलब्ध नहीं थी । होटल के मालिक द्‌वारा अन्य होटल से इस व्यंजन की व्यवस्था करने का उपाय सुझाया गया । मैनेजर इससे सहमत नहीं था । उसी समय मुख्य रसोइए ने मैनेजर को सूचित किया कि मंगली द्‌वारा इस व्यंजन को कुशलतापूर्वक बना दिया जाएगा । मैनेजर ने जब मंगली के बारे में जानना चाहा तो रसोइए ने उसे बताया कि मंगली इसी होटल में बरतन माँजने वाली साधारण नौकरानी है, ''आप निश्‍चिंत रहें सर....., सब इंतजाम हो जाएगा ।''

उ) निम्नलिखित प्रश्‍नों में से <u>किन्हीं तीन</u> प्रश्‍नों के उत्तर पठित गद्‌यपाठों के आधार पर संक्षेप (60 - 70 शब्दों) में लिखिए :

1) अमर कहानीकार 'प्रेमचंद' जी ने 'शिकारी राजकुमार' पाठ में स्वार्थलोलुप, हिंसक, विलासी शासकों को फटकारते हुए जनकल्याण के प्रति शासक के धर्म पालन की उम्मीद जताई है । **3**

संन्यासी की कुटी नदी के घाट के पास कदंबकुंज की घनी छाया में बनी हुई थी । कुटी के आसपास का वातावरण बहुत ही हरा-भरा था । वहाँ शीतल, मंद और सुगंधित हवा बह रही थी । नदी की तरंगों का मधुर नाद आसपास के वातावरण संगीतमय बना रहा था । कुटी के पास हरी - हरी घास पर मोर थिरक रहे थे । कपोतादि पक्षी मस्त होकर झूम रहे थे । लताएँ और वृक्ष वहाँ के वातावरण को मनमोहक बना रहे थे । शाम हो चुकी थी । उसी समय संन्यासी ने एक वृक्ष के नीचे बैठकर कोयल की कूक जैसे मीठे स्वर में सूरदास के एक प्रसिद्‌ध भजन ''उधो कर्मन की गति न्यारी'' को गाना शुरू किया ।

इस तरह संन्यासी के आसपास का वातावरण बहुत ही मनमोहक, सुंदर, पवित्र और आनंददायक था ।

2) सुप्रसिद्‌ध लेखक 'विनोबा भावे' जी ने 'वाणी का सदुपयोग' पाठ में सत्य, मित और मधुर वाणी के सभ्य और उचित प्रयोग के महत्त्व को बताया है । **3**

विश्‍वामित्र जी की प्रार्थना 'मेरी वाणी में अमृत हो' की सत्यता सिद्‌ध करते हुए विनोबा जी कहते हैं कि हमारे सभी व्यवहार वाणी पर ही निर्भर हैं । वाणी द्‌वारा ही मित्रता भी की जा सकती है और दुश्मनी भी । वाणी का वार कई शस्त्रों की तुलना में मानव मन पर बहुत गहराई से प्रहार करता है । हमारी वाणी हमेशा सुमधुर ही होनी चाहिए । सुमधुर वाणी द्‌वारा ही वक्ता का सर्वश्रेष्ठ प्रभाव श्रोता पर पड़ता है, उसी से मित्रता भी बढ़ती जाती है । सुमधुर वाणी द्‌वारा ही हम सफलता के नित नए द्‌वार खोल सकते और असफलता को नियंत्रित भी कर सकते हैं । कटुवाणी का प्रशंसक और समर्थक कोई नहीं होना चाहता है । इसीलिए हमें हमेशा मधुरभाषी बनकर सभी को अपना मित्र बनाए रखना चाहिए ।

इस प्रकार सारे विश्‍व से मैत्रीभाव बनाए रखने की अभिलाषा से विश्‍वमित्र 'मेरी वाणी में अमृत हो' ऐसी प्रार्थना करते हैं ।

3) सुप्रसिद्‌ध लेखक 'धर्मवीर भारती' जी ने 'कूर्मांचल में कुछ दिन' नामक यात्रा - संस्मरण पाठ में हिमालय का द्‌वार समझे जाने वाले 'कूर्मांचल' के प्राकृतिक सौंदर्य का हृदयस्पर्शी वर्णन किया है । **3**

	बँगले के लॉन में बैठे लोगों को एक चिड़िया की 'जुहो! जुहो! जुहो!' रट सुनाई दी । उसके बारे में लोगों की जिज्ञासा देखकर मैनेजर ने उस इलाके में प्रचलित एक लोककथा का वर्णन करते हुए बताया कि किसी जमाने में वहाँ के पहाड़ों में एक अत्यधिक सुंदर कन्या थी। अत्यधिक गरीबी के कारण पिता ने उसका विवाह मैदानी इलाकों में कर दिया । वर्षा तथा सर्दी के महीने तो लड़की ने ससुराल में किसी तरह काट लिए परंतु गर्मी आते ही वह तड़प उठी। उसने नैहर जाने की प्रार्थना की परंतु उसकी सास और ननद ने इससे इनकार कर दिया । लड़की का शृंगार, खाना - पीना सब छूट गया तब उसने सास से गिड़गिड़ाते हुए कहा,'जुहो?(जाऊँ)' तो सास ने निष्ठुरता से कहा,'भोल जाला (कल सुबह जाना)।' इस तरह टालते - टालते कई दिन बीतते गए और चिलचिलाती कड़ी धूप में जानलेवा लू चलने लगी । लड़की ने अंतिम बार अनुमति माँगी तो सास ने फिर वही जवाब दोहराया । अंततः एक शाम उस लड़की ने एक पेड़ के नीचे अंतिम साँस ली । तबसे कूर्मांचल के जंगलों में एक चिड़िया दर्द भरे स्वर में बार- बार 'जुहो ? जुहो ? जुहो ?' बोलती है और फिर एक पक्षी का कर्कश स्वर सुनाई देता है- 'भोल जाला', जिसे सुनकर वह चिड़िया मौन हो जाती है । बँगले के मैनेजर ने वहाँ उपस्थित लोगों को कूर्मांचल की यह करुण लोककथा सुनाई ।	
4)	लेखक 'भारतेंदु हरिश्चंद्र' जी ने 'अंधेर नगरी' पाठ में 'मूर्ख राजा की मूर्ख प्रजा' रूपी अविवेकी वृत्ति से परिचित कराते हुए इससे बचे रहने की प्रेरणा दी है । गोवर्धनदास को फाँसी पर चढ़ाने के लिए सिपाही ले जाने लगे तो वह बहुत घबरा गया । उसे महसूस हुआ कि उसने अपने गुरुजी की बात नहीं मानी, यह उसी का परिणाम है । वह अपने गुरुजी का नाम लेकर उन्हें याद करने लगा और जोर - जोर से पुकारने लगा। गोवर्धनदास की आवाज सुनकर गुरु महंत जी वहाँ पहुँच गए । गोवर्धनदास ने फाँसी पर चढ़ाने का कारण बताया । गोवर्धनदास की बातें सुनकर महंत जी को एक उपाय सूझा । उन्होंने उसे दूर ले जाकर एक युक्ति बताई । कुछ देर बाद गुरु - शिष्य दोनों ही फाँसी पर चढ़ने के लिए लड़ने लगे । सिपाही चकित हो गए । राजा ने उनसे मरने की जिद का कारण पूछा । महंत ने उत्तर देते हुए कहा कि इसी समय और ऐसी शुभ घड़ी में जो मरेगा, वह सीधे स्वर्ग जाएगा । यह सुनते ही स्वर्ग जाने की लालसा में राजा खुद फाँसी पर चढ़ गया । इस प्रकार महंत गोवर्धनदास की जान बचाने में सफल हो गए ।	**3**
5)	'सफलता की चुनौतियाँ' पाठ में प्रीति मोंगा के साक्षात्कार द्वारा शारीरिक कमजोरी पर विजय पाकर जिंदगी में कामयाबी के प्रति नए दृष्टिकोण को प्रस्तुत किया गया है । नेत्रहीनता ने प्रीति जी की पढ़ाई के सारे रास्ते बंद कर दिए थे । इसी दुख में सबसे छिपकर उनका रोना जारी रहता । एक दिन उन्होंने कबीर जी का वह दोहा सुना, जिसमें मिट्टी कुम्हार को चुनौती देते हुए कहती है कि आज तुम भले ही मुझे रौंद लो परंतु एक दिन ऐसा भी आएगा जब तुम मेरे द्वारा रौंदे जाओगे । इसी तरह प्रीति जी ने इकबाल साहब का वह शेर सुना, जिसमें कहा गया है कि तुम अपने आप को, अपनी क्षमता, काबिलियत को इतना ऊँचा उठा दो कि ईश्वर स्वयं तुम्हारी इच्छा पूरी करने के लिए सदैव तत्पर रहे । कबीर और इकबाल साहब की प्रेरक वाणी ने प्रीति जी को निराशा के अंधकार से निकालकर उम्मीद और हिम्मत के भाव से सराबोर कर दिया । इससे प्रति जी का जीवन के प्रति नजरिया आशावादी हो	**3**

	गया । उन्होंने अनुभव किया कि इस वक्त उनके पास भले ही दृष्टि न हो परंतु उनके पास मुँह, कान, नाक, उँगलियाँ रूपी सक्षम इंद्रियाँ हैं, जिनसे वे स्वाद, श्रवण, गंध और स्पर्श की क्षमताओं के बल पर सफल जीवन जी सकेंगी । ये इंद्रियाँ तो दृष्टिहीन नहीं है । ये ऐसी शक्तियाँ है, जो सीधे मस्तिष्क से जुड़ी है । वहाँ इनमें कोई कमी नहीं है । यदि इन्हें मौका दिया जाए तो ये शक्तियाँ हमें बहुत आगे तक ले जा सकती है । इस ज्ञान की अनुभूति होते ही प्रीति जी को जीने का सही मार्ग मिल गया ।	
	ऊ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर एक - एक वाक्य में लिखिए ।	
1)	पलाश को 'पर्णपाती वृक्ष' कहा जाता है क्योंकि पलाश के सभी पत्ते वर्ष में एक बार गिर जाते हैं और यह पर्णविहीन हो जाता है ।	**1**
2)	सर्दी के मौसम में पलाश के पत्ते गिरते हैं और गर्मी के मौसम में इस पर नए पत्ते आते हैं ।	**1**
3)	परिच्छेद में पलाश की यह खासियत सूचित हुई है कि यह एक पर्णपाती वृक्ष है । इस वृक्ष पर झाड़ी के रूप में बड़े - बड़े पत्ते निकलते हैं । पलाश के जिन पेड़ों पर फूल निकलते हैं, वहाँ पत्ते नहीं निकलते और जहाँ पत्ते निकलते हैं, वहाँ फूल नहीं निकलते हैं ।	**1**
उ.**2.**	**क) निम्नलिखित वाक्यों के रिक्त स्थानों की पूर्ति पठित पाठों में प्रयुक्त शब्दों से कीजिए। पूर्ण वाक्य लिखकर प्रयुक्त शब्द अधोरेखित कीजिए ।**	
1)	क्षण में वह <u>अरिदल</u> मिट जाएगा, तेरे पंखों से पिसकर ।	**1**
2)	जीवन <u>शिल्पी</u> प्रथम प्रधान हो ।	**1**
3)	यह किसी की व्यक्तिगत <u>आलोचना</u> है ।	**1**
	ख) निम्नलिखित दिए गए प्रश्नों के उत्तर पठित कविताओं के आधार पर केवल एक - एक वाक्य में लिखिए ।	
1)	माता यशोदा कृष्ण को मनाने के लिए चंद्रमा से भी अधिक सुंदर दुल्हन ला देने की बात कहती हैं ।	**1**
2)	जीवन रूपी झरने के दोनों तीर सुख और दुख हैं ।	**1**
3)	मेघ को बूढ़े पीपल ने जुहार की ।	**1**
	ग) निम्नलिखित दिए गए पठित पद्यांश के आधारपर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर एक - एक वाक्य में लिखिए ।	
1)	मेघों के आने पर आँधी चली और धूल भागी ।	**1**
2)	'बाँकी चितवन' का अर्थ है सौंदर्य भरी तिरछी नजर ।	**1**
3)	बन - ठनकर मेघ आया ।	**1**
	घ) निम्नलिखित पठित पद्यखंड का सरल गद्यार्थ लिखिए ।	
	भावार्थ : इस दोहे में संत कबीर ने दान का महत्त्व स्पष्ट किया है । कबीरदास जी कहते हैं कि दान का बहुत बड़ा महत्त्व है । परोपकार और समाज की भलाई के	**3**

लिए किए गए दान से संपत्ति कभी भी नहीं घटती । कबीर नदी के उदाहरण द्वारा समझाते हैं कि नदी का जल पीने से उसके जल में कमी नहीं होती, उसी प्रकार दान देने से संपत्ति नहीं घटती है । कबीर कहते हैं कि सिर्फ मेरे कहने को ही मत अपनाओ बल्कि अपनी आँखों से महान दानियों को देखो और उनकी दान की प्रवृत्ति को अपनाओ।

ड़) **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर पठित पद्यपाठों के आधार पर संक्षेप में लिखिए :**

1) सुप्रसिद्ध कवि 'सूरदास' जी ने 'सूरदास के पद' कविता में ब्रज की नारियों द्वारा माँ यशोदा से बालक कृष्ण की शिकायत मक्खन चुराने की शिकायत करने तथा बालक कृष्ण द्वारा चंद्र खिलौना पाने का हठ करने पर माँ यशोदा द्वारा कृष्ण को बहलाने का सुंदर सजीव चित्रण किया है । **3**

कृष्ण माँ यशोदा से चंद्रमा को पाने की जिद करते हैं ।वे कहते हैं कि यदि मुझे चंद्रमा का खिलौना नहीं मिला तो मैं धौरी (सफेद) गाय का दूध नहीं पिऊँगा, सिर पर चोटी नहीं गूथने दूँगा, मोती की माला नहीं पहनूँगा और कुर्ता भी नहीं पहनूँगा । अगर तुमने मेरी बात नहीं मानी तो मैं अभी जमीन पर लोट जाऊँगा और तेरी गोद में नहीं आऊँगा । मैं नंदबाबा का बेटा कहलाऊँगा, तेरा बेटा भी नही कहलाऊँगा ।

इस प्रकार चंद्रमा का खिलौना न मिलने पर कृष्ण अपनी माँ यशोदा को धमकी भरी बातें कह कर उनसे चंद्र खिलौना लाने की जिद करते हैं ।

2) कवि 'आरसीप्रसाद सिंह' जी ने 'जीवन का झरना' कविता में मनुष्य को झरने के माध्यम से जीवन में लगातार चलते रहने की प्रेरणा दी है । **3**

कवि के अनुसार जीवन और निर्झर में कई समानताएँ पाई जाती हैं । जिस प्रकार निर्झर अपने दोनों किनारों के बीच बहता रहता है, उसी प्रकार जीवन का प्रवाह सुख और दुख के बीच बहता रहता है । निर्झर पहाड़ों से निकलता हुआ अपनी अवरोधक चट्टानों से संघर्ष करते हुए अपनी राह खुद बनाता है तो दूसरी तरफ जीवन मुश्किल हालातों से संघर्ष करते हुए अपनी राह बनाता है । निर्झर पूरी गति से लगातार आगे बढ़ता हुआ मैदानों की तरफ पहुँचता है और जीवन अपनी राह में आनेवाली बाधाओं को मात देकर अपने कार्यक्षेत्र में प्रवेश करता है और सफलता प्राप्त करता है । निर्झर की गति ही उसका जीवन है तथा इंसान की प्रगति ही उसका जीवन है । निर्झर की गति का थम जाना और जीवन की प्रगतिशीलता का थम जाना ही मौत है ।

इस प्रकार कवि ने जीवन और निर्झर में पाई जानेवाली समानता को स्पष्ट किया है ।

3) कवि 'सर्वेश्वरदयाल सक्सेना' जी ने 'मेघ आए' कविता में बादलों के आगमन पर प्रकृति में होनेवाले परिवर्तन का मनोहारी सजीव चित्रण किया है । **3**

भारतीय रीति - रिवाजों के अनुसार जब कोई मेहमान सज - सँवरकर खूब ठाट - बाट के साथ गाँव में प्रवेश करता है, तो उस पाहुन (मेहमान) को देखने की जिज्ञासा से गाँव के सभी लोग गर्दन उचका - उचकाकर झाँकने लगते हैं । वे जानने के लिए उत्सुक होते हैं कि यह मेहमान कौन है ? कहाँ से आया

	है ? मेहमान के आने की सूचना देने के लिए गाँव की छोटी लड़कियाँ घाघरा उठाए दौड़ पड़ती हैं और गाँव की स्त्रियाँ भी उत्सुकता वश अपने घुँघट को सरकाकर तिरछी चितवन से पाहुन को देखने लगती हैं । गाँव के बड़े - बूढ़े भी आगे बढ़कर मेहमान का अभिवादन - स्वागत करने में जुट जाते हैं । लोग परात भरकर पानी ले आते हैं और पाहुन के पैर पखारने (धोने) लगते हैं । इस प्रकार कविता में अतिथि के आनेपर गाँव में प्रचलित रीति - रिवाजों का सजीव चित्रण किया गया है ।	
उ. 3.	**निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं दो</u> प्रश्नों के उत्तर पठित पूरक पाठों के आधार पर 70 - 80 शब्दों में लिखिए :**	
1)	सुप्रसिद्ध लेखिका गौरा पंत 'शिवानी' जी ने 'गंगा बाबू हैं कौन ?' पाठ में एक ऐसे व्यक्तित्व का वर्णन किया है जो अनेकानेक संस्मरणों का जीता - जागता शब्दकोश है । लक्खी सराय का बालिका विद्यापीठ किऊल रेलवे स्टेशन से कुछ दूरी पर स्थित था । विद्यापीठ जाने के लिए उस जनहीन बीहड़ स्टेशन पर उतरकर मोटर मार्ग द्वारा जाना पड़ता है । किऊल से लक्खी सराय का मोटर मार्ग भी निरापद नहीं है । यहाँ आए दिन डाके पड़ते ही रहते हैं । इसलिए विद्यापीठ की बालिकाओं की विदाई के अवसर पर आमंत्रित करते समय लेखिका को अनुरोध किया गया कि यात्रा कठिन अवश्य है, संभवत: आपको कष्ट भी होगा किंतु चिंता की कोई बात नहीं है । कुछ सहयोगी कार लेकर किऊल सटेशन पर उपस्थित रहेंगे । लक्खी सराय का बालिका विद्यापीठ प्रथम राष्ट्रपति बाबू राजेंद्र प्रसाद जी की प्रिय शिक्षण - संस्था रही है । यहाँ की बालिकाएँ शिक्षा पूर्ण के बाद जब विदा लेती हैं, तो उन्हें उसी स्नेह और आत्मीयता से विदा किया जाता है, जैसे पुत्री को मायके से विदा किया जाता है । बालिकाओं के विदाई कार्यक्रम पर अक्सर किसी प्रसिद्ध साहित्यकार को अध्यक्षता के लिए आमंत्रित किया जाता है । गत वर्ष महादेवी जी पधारी थीं । उनके हाथ का लगा वृक्ष जिस अहाते में है, इस वर्ष विदा हो रही बालिकाओं की हार्दिक इच्छा थी कि उसी वृक्ष के पास में लेखिका के हाथों से लगा वृक्ष भी लहलहाएँ । इस प्रकार लक्खी सराय के बालिका विद्यापीठ की संक्षिप्त जानकारी दी गई है ।	**4**
2)	लेखक 'प्रेमानंद चंदोला' जी ने 'तुलसी का बिरवा' पूरक पठन पाठ में तुलसी के धार्मिक, सामाजिक व औषधीय महत्त्व को दर्शाया है । ईसाई धर्म के लोग भी हिंदुओं की तरह तुलसी को पवित्र मानते हैं । अंग्रेजी में इसे 'बेसिल' या 'सेक्रेट बेसिल' यानी 'पवित्र तुलसी' कहते हैं । कहते हैं कि ईसाइयों में तुलसी के पौधे को पवित्र माने जाने का मुख्य कारण यह है कि यह पौधा ईसा मसीह (क्राइस्ट) की कब्र पर उगा था । फ्रांस के लोग तुलसी को 'ल प्लांती रोयली' अर्थात 'राजसी पौधा' कहते हैं । इटली और ग्रीस के लोग तुलसी के गुणों से परिचित थे । यही कारण है कि संत बेसिल दिवस पर स्त्रियाँ तुलसी की टहनियों को गिरजाघर में ले जाती हैं और घर वापस आने पर उन टहनियों को फर्श पर बिखेर देती हैं । जिससे आने वाला वर्ष लाभकारी हो । कुछ पत्तियों को खा लेने और कुछ को अपने वार्डरोब में चूहे व कीड़े भगाने के लिए प्रयोग करने की प्रथा भी है । इस प्रकार ईसाई धर्म में तुलसी को पवित्र व रोग विनाशक माना गया है ।	**4**

3) लेखक 'प्रवीण कारखानीस' जी ने 'थिंफू - भूटान की वर्तमान राजधानी' पाठ में वनसंपदा की खान भूटान के प्राकृतिक सौंदर्य का मनोहर वर्णन किया है । **4**

थिंफू भूटान की राजधानी है । भूटान का राज्य-संचालन थिंफू के झाँग से किया जाता है। रॉयल एडवाइजरी काऊंसिल भूटान नरेश को राज-काज में सलाह देते हैं । काऊंसिल में कुल आठ सदस्य होते हैं । राष्ट्रीय विधान सभा की बैठक झाँग में ही होती है । विधानसभा में कुल 150 सदस्य होते हैं, जिनमें से एक सौ बीस जनप्रतिनिधि होते हैं । बीस सदस्यों की नियुक्ति शासन द्वारा की जाती है और दस सदस्य धर्मपीठ के सदस्य होते हैं । थिंफू का झाँग भी एक दर्शनीय स्थल बन गया है ।

इस प्रकार थिंफू का राज्य-संचालन एडवाइजरी काऊंसिल तथा विधान सभा के सदस्यों द्वारा किया जाता है ।

4) ईश्वरचंद्र विद्यासागर जी को गर्मियों के दिनों में पत्र देने एक डाकिया उनके घर आया। वह नीचे बैठ गया और उनकी प्रतीक्षा करने लगा । विद्यासागर जी ने ऊपर की मंजिल से नीचे उतरकर देखा कि डाकिए को नींद आ गई थी । उन्होंने चिट्ठी ले ली और उसे पंखा झलने लगे। विद्यासागरजी के एक परिचित को यह अच्छा नहीं लगा । उन्होंने कहा, कहाँ आप और कहाँ सात रुपए पानेवाला यह डाकिया। आप उसे क्यों पंखा झल रहे हैं? इसपर विद्यासागरजी ने जवाब दिया, ''मेरे पिता सात रुपए के वेतन से ही पूरे परिवार को पालते थे । वे भी इसी तरह भरी दोपहरी में काम पर जाया करते थे । '' **4**

इस प्रकार समाजसेवक ईश्वरचंद्र विद्यासागर जी की महानता अपरिचित लोगों के प्रति भी दयाभाव रखने एवं उनकी मजदूरी का सम्मान करने से दृष्टिगोचर होती है ।

अथवा

निम्नलिखित पठित पूरक पाठों में से <u>किसी एक</u> का सार लिखिए :

1) सुप्रसिद्ध लेखक 'हरिशंकर परसाई' जी ने 'अपनी - अपनी बीमारी' पाठ में अमीरी और गरीबी के अंतर को हास्य - व्यंग्यात्मक तरीके से बताने का प्रयास किया है । **8**

लेखक के अनुसार टैक्स भी विचित्र बीमारी है । जिसे यह बीमारी लग जाती है, यह पूरी तरह से स्वस्थ और प्रसन्न रहता है । लेखक की हैरानी यह है कि फिर रोगी मरता कैसे है ? इस बीमारी में रोगी आनंदित रहता है । इस देश में बहुत थोड़े - से लोग ही टैक्स से मरते हैं और असंख्य लोग भूखमरी से मरते हैं । टैक्स की बीमारी से सभी पीड़ित हैं ।जिन्हें यह बीमारी लगी है, वे परेशान हैं कि वह टैक्स की बीमारी से मर रहे हैं । जिन्हें यह बीमारी नहीं लगी है, वे चिंतित हैं कि उन्हें कब टैक्स की बीमारी लगेगी । लेखक टैक्स के बीमारों से हार्दिक अनुरोध करता है कि वे प्रापर्टी सहित अपनी बीमारी का वरदान केरूप में उसे दे दें, इसके बावजूद लेखक इस बीमारी से वंचित है । लेखक टैक्स की बीमारी से मरकर हिंदी संसार में गौरवशाली परंपरा स्थापित करना चाहता है, जिससे नई पीढ़ी के लेखक प्रेरित हो सके ।

लेखक के अनुसार सभी अपने - अपने दु:खों से दु:खी है । कोई बेईमानी की बीमारी से मरा

	जा रहा है, तो किसी को कुलटापन की बीमारी ने दुखी कर रखा है । लेखक चंदा माँगने के लिए जिस व्यक्ति के पास जाता है, वह टैक्स की बीमारी से पीड़ित पाया जाता है । लेखक इस बीमारी के बारे में जानकर आश्चर्यचकित रह जाता है । लेखक भी इस टैक्स रुपी बीमारी से मरने को इच्छुक है परंतु वह इतना सौभाग्यशाली भी नहीं है । वह बेचारा तो 50 रूपए चंदा न मिलने के दुख से मरा जा रहा है । इसी क्रम में लेखक का और भी कई बड़े - बड़े लोगों के दुखों से साक्षात्कार होता है । आठ कमरोंवाला मकान बनाने वाले एक व्यक्ति को शेष बचे हुए दो कमरे न बना पाने का दुख परेशान कर रहा है । पुस्तक - विक्रेता को पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष दस हजार पुस्तकें कम बिकने का दुख मारे जा रहा है । तीसरे को रोटरी मशीन आ जाने के बाद मोनो मशीन के आने में हो रहे विलंब का दुख है । लेखक को भी एक निजी दुख है । वह अपने घर की बिजली का चालीस रूपए का बिल भुगतान नहीं कर सका है क्योंकि उसके पास इतने भी रूपए नहीं हैं । इसलिए उसके मन में बिजली कट जाने का दुख है । लेखक इन बड़े - बड़े दुखों के सामने अपने दुख को अत्यंत साधारण मानकर बड़े दुख वालों के दुख के प्रति अपनी सहानुभूति प्रकट करता है । इससे बड़े - बड़े दुखों वाले व्यक्तियों को स्वाभाविक रूप से प्रसन्नता होती है । एक तरफ जीवित रहने का संघर्ष है तो दूसरी तरफ अमीरी का संघर्ष है । लेखक ने इन सभी उदाहरणों द्वारा अमीरों से अनुरोध किया है कि यदि वे अपनी धन - दौलत में से थोड़ा - सा भी हिस्सा निर्धनों की मदद के लिए दान कर दे तो इससे आर्थिक असमानता समाज में कम होगी और उन अमीरों को भी टैक्स के बोझ से मुक्ति मिल सकेगी ।	
2)	लेखक 'प्रवीण कारखानीस' जी ने 'थिंफू - भूटान की वर्तमान राजधानी' पाठ में वनसंपदा की खान भूटान के प्राकृतिक सौंदर्य का मनोहर वर्णन किया है । थिंफू भूटान की वर्तमान राजधानी का एक शहर है । यहाँ की प्राकृतिक सुंदरता काठमांडू और दार्जिलिंग से किसी भी स्तर में कम नहीं है । इस नगर के सारे मकान भूटानी प्रणाली में बने हैं । यहाँ की जनसंख्या केवल पचीस हजार है, जबकि पूरे भूटान की जनसंख्या सिर्फ सवा लाख है । थिंफू में केवल एक ही बैंक है - बैंक ऑफ भूटान । उसकी कलापूर्ण इमारत देखते ही बनती है । उसकी साज-सज्जा किसी विलासी राजा के रंगमहल से कम नहीं है । भूटान की मुद्रा को 'गुलत्रम' कहते हैं और उसका मूल्य हमारे एक रुपए के बराबर होता है । भूटान देश में भारतीय मुद्रा का आम प्रचलन है । यहाँ दोनों मुद्राओं का प्रयोग किया जाता है । जैसे भूटान में एक बैंक है, वैसे ही एक ही पेट्रोल पंप भी है जो राजधानी के नगर में आने-जाने वाली सभी मोटर-जीपों को पेट्रोल की पूर्ति करता है । थिंफू बुद्ध-धर्मियों का तीर्थ स्थान भी बन गया है । थिंफू नरेश का राजमहल अंत:वर्ती क्षेत्र में है जो अब राजमाता का निवासस्थान है । थिंफू के नरेश नदी के तट पर बनी पर्णकुटी में रहते हैं क्योंकि यहाँ के नरेश को राजमहल की शान-शोभा पसंद नहीं है । भूटान देश का राज्य-संचालन थिंफू के झाँग शहर से किया जाता है । झाँग सुंदर व दर्शनीय स्थल है । रॉयल एडवाइजरी काऊंसिल समिति ही नरेश को राज्य-संचालन के लिए सलाह देती है । जनप्रतिनिधि, धर्मपीठ के प्रतिनिधि और शासन द्वारा कुल डेढ़ सौ सदस्य नियुक्त करते हैं । अंदरुनी राज्य संचालन में भूटान सार्वभौम देश है लेकिन विदेशी नीति के लिए भारत की सलाह लेना भूटान के लिए बंधनकारी है । भूटान में सिर्फ भारत देश का ही दूतावास है ।	**8**

उ. 4.	**च) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द का स्वतंत्र एवं अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए :**	
1)	घड़ी का मुँह दीवार की **तरफ** कर दो ।	**1**
2)	**वाह !** क्या बात कही है तूने ।	**1**
	छ) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य में अधोरेखांकित शब्द का शब्दभेद लिखिए :	
1)	अचानक - अव्यय ।	**1**
2)	सच्चे - विशेषण ।	**1**
	ज) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य का कोष्ठक में दी गई सूचना के अनुसार काल - परिवर्तन कीजिए :	
1)	उसने हिमालय को खोजा है ।	**1**
2)	इतने लोग छत पा रहे थे ।	**1**
	झ) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य में प्रयुक्त सहायक क्रिया पहचानकर लिखिए :	
1)	गया (जाना) सहायक क्रिया ।	**1**
2)	दिया (देना) सहायक क्रिया ।	**1**
	अथवा	
	निम्नलिखित क्रियाओं में से किसी एक क्रिया का सहायक क्रिया के रूप में अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए ।	
1)	वाक्य :- वे अब मेरा मुँह नहीं देखना चाहते ।	**1**
2)	वाक्य :- उसने सारा पानी गिरा दिया ।	**1**
	ट) निम्नलिखित क्रियाओं में से किसी एक क्रिया के प्रथम तथा द्वितीय प्रेरणार्थक क्रियारूप लिखिए :	

	मूल क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया	द्वितीय प्रेरणार्थक क्रिया	
1)	देखना	दिखाना	दिखवाना	**1**
2)	बोलना	बुलाना	बुलवाना	**1**

	अथवा	
	निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य में प्रयुक्त प्रेरणार्थक क्रियारूप छाँटकर उसका प्रकार लिखिए :	
1)	सुनवाई - द्वितीय प्रेरणार्थक क्रिया ।	**1**
2)	चढ़ाया - प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया ।	**1**

	ठ) **निम्नलिखित अशुद्ध वाक्यों में से <u>किन्हीं दो</u> वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए :**	
1)	मैं काकरोच <u>से</u> डरती हूँ ।	**1**
2)	एक बार <u>मेरी</u> नाक में मक्खी घुस <u>गई</u> ।	**1**
3)	मैनेजर से हिदायत <u>दी गई</u> ।	**1**
	अथवा	
	निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किन्हीं दो</u> वाक्यों के लिए योग्य विरामचिह्नों का प्रयोग करके वाक्य फिर से लिखिए :	
1)	वे बोले,''यह तो आनंद का प्रश्न है ।''	**1**
2)	इसीलिए इसे 'फ्लेम ऑफ द फायर' कहा जाता है ।	**1**
3)	क्यों रे कसाई, तूने ऐसी मशक क्यों बनाई ?	**1**
	(ड) **निम्नलिखित मुहावरों में से <u>किन्हीं तीन</u> मुहावरों के हिंदी में अर्थ देकर उनका अर्थपूर्ण एवं स्वतंत्र वाक्यों में प्रयोग कीजिए :**	
1)	मोल लेना – दाम देकर खरीदना । वाक्य : राकेश ने कुछ दिनों पहले ही एक भैंस <u>मोल ली</u> थी ।	**1**
2)	कान में डालना – सुना या जता देना । वाक्य : विकास की मित्रता गलत लोगों से होने की खबर उसके मित्र ने विकास के पिता के <u>कान में डाल दी</u> ।	**1**
3)	<u>कानों में गूँजना</u> – सुनाई देना । वाक्य : मुश्किल वक्त में माँ की बातें <u>कानों में गूँजने लगती</u> है ।	**1**
4)	डोर हाथ में आना – किसी चीज पर अधिकार हो जाना । वाक्य : पुलिस को सबूत मिलते ही बैंक डकैती की <u>डोर हाथ में आ गई</u> ।	**1**
5)	दहाड़े मारकर रो पड़ना – जोर - जोर से रोना । वाक्य : पुत्र की मृत्यु की सूचना पाते ही परिवार के लोग <u>दहाड़े मारकर रो पड़े</u> ।	**1**
	अथवा	
	निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किन्हीं तीन</u> वाक्यों में अधोरेखांकित वाक्यांशों के बदले कोष्ठक में दिए गए मुहावरों में से योग्य मुहावरे का प्रयोग करके शुद्ध वाक्य फिर से लिखिए :	
1)	खूँखार अपराधी के पकड़े न जाने पर पुलिस कमिश्नर **<u>माथे पर बल पड़ गए ।</u>**	**1**
2)	संकट में पड़े मित्र को सहायता देना मैंने **<u>हामी भरी ।</u>**	**1**
3)	इनाम लेने जाते हुए रमेश के **<u>पैरों में मानो पंख लग गए थे ।</u>**	**1**
4)	माँ की मृत्यु की खबर सुनकर पुत्र **<u>दहाड़े मारकर रोने लगा ।</u>**	**1**
5)	जलते हुए मकान से बच्चे को निकालने जाना **<u>मृत्यु के मुँह में कूदना था ।</u>**	**1**

उ.**5.**	**निम्नलिखित विषयों में से <u>किसी एक</u> विषय पर लगभग 150- 200 शब्दों तक निबंध लिखिए :**	
1)	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 4- Page No.97 - Q.2	**10**
2)	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 4- Page No.110 - Q.15	**10**
3)	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 4- Page No. 131 - Q.36	**10**
4)	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 4- Page No. 134 - Q.40	**10**
उ.**6.**	**(त) निम्नलिखित कार्यालयीन तथा व्यावसायिक पत्रों में से <u>किसी एक</u> पत्र का प्रारूप (नमूना) लिफाफे सहित तैयार कीजिए :**	
1)	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 1- Page No. 188 - Q.5	**4**
2)	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 1- Page No. 189 - Q.6	**4**
	(थ) निम्नलिखित रूपरेखा के आधार पर कहानी लिखिए । यह भी दर्शाइए कि उससे क्या सीख मिलती है ।	
	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 1 - Page No. 202 - Q.6	**4**
	(द) निम्नलिखित अपठित गद्यखंड पर आकलन हेतु ऐसे <u>चार प्रश्न</u> तैयार कीजिए, जिनके उत्तर <u>एक - एक वाक्य</u> में हो :	
	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 4- Page No. 83 - Q.8	**4**

❐❐❐❐❐